रूस के साथ जोखिमपूर्ण व्यापारिक कारोबार

822. **श्री सोमपाल** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारतीय व्यापारियों और औद्योगिक निवेशकों को रूस के साथ व्यापारिक कारोबार करने और उस देश में पूंजी निवेश करने में कई प्रकार के आर्थिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार अपने देश के व्यापारियों और औद्योगिक निवेशकों के हितों की सुरक्षा हेतु क्या ठोस कदम उठा रही है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) से (ग) भारत सरकार भारतीय व्यापारियों और निवेशकर्ताओं के सामने आ रही विभिन्न बाधाओं के मुद्दे पर रूसी प्राधिकारियों के साथ निरन्तर बातचीत करती रही है और दोनों सरकारें इन समस्याओं के समाधान के लिये काम करती रही हैं। ईसीजीसी द्वारा भारतीय निर्यातकों को सीमित आधार पर निर्यात बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा, भारत सरकार और रूस सरकार इस बात पर सहमत हुई है कि एक द्विपक्षीय पूंजी निवेश संवर्धन एवं पारस्परिक संरक्षण करार यथाशीघ्र संपन्न किया जाए। यदि एक बार यह करार संपन्न हो जाता है तो यह भारतीय निवेशकर्ताओं और व्यापारी समुदाय के हितों को संरक्षण प्रदान करेगा।

विदेश व्यापार

823. **श्री सोमपाल** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान अब तक भारत के विदेश व्यापार संबंधी उद्यतन स्थिति क्या है ;

(ख) हमारे देश का अब तक का आयात और निर्यात डालर मूल्य में कितना हुआ है और गत वर्ष के इन्हीं महीनों की तुलना में आयात और निर्यात में कितनी वृद्धि अथवा ह्रास हुआ है;

(ग) आज तक की स्थिति के अनुसार भुगतान संतुलन की स्थिति क्या है ; और

(घ) चालू वर्ष के शेष महीनों में व्यापार की गति किस प्रकार की होने की संभावना है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) अप्रैल-मई, 1994 की अवधि वह अवधि है जिसके लिये ऐसे कुल व्यापार आंकड़े प्रकाशित किये गये हैं और इस अवधि के भारतीय निर्यात, आयात और व्यापार संतुलन के ब्यौरे नीचे दिये जा रहे हैं:—

	अप्रैल-मई, 1994	
	करोड़ रु०	मिलियन अमरीकी डालर
निर्यात	11898* (9.8%)	3793* (9.7%)
आयात	12181* (12.2%)	3883* (12.1*)
व्यापार संतुलन	−283	−90

* : कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े अप्रैल-मई, 1993 की अवधि की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं।

(ग) चालू वित्तीय वर्ष के लिये भुगतान संतुलन के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 1993–94 के लिये चालू खाता घाटे का अस्थायी अनुमान 230 मिलियन अमरीकी

डालर का लगाया है जबकि वर्ष 1992-93 के लिये यह अनुमानित घाटा 4.921 बिलियन अमरीकी डालर का रहा था । इस प्रकार, इससे पता लगता है कि स्थिति में काफी सुधार हुआ है ।

(घ) व्यापार तो अर्थव्यवस्था के अन्दरूनी और बाहर दोनों कारकों पर निर्भर होता है । विश्व व्यापार में फिर से संभावित मजबूती के आधार पर और सरकार को निर्यात के लिये लाभकारी नीतियों के आधार पर ऐसी आशा है कि आगामी महीनों में हमारे निर्यात में वृद्धि होगी ।

Policies on liberalisation not yielding export growth

824. SHRI N. GIRI PRASAD:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government's policies of liberalisation and export growth have not worked during the first quarter of the current financial year, if the results of the export and import growth is any sign;

(b) if so, what are the details of the growth export and import during the first quarter of the current financial year and how does it compare with that in the last year during the same period; and

(c) what is Government's reaction to unsatisfied growth on trade front?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) No, Sir.

(b) and (c) The details of exports and imports during April-May, 1994 the latest period for which such aggregate trade statistics are available, alongwith April-May, 1993, are given below:

	April—May' 1994		April—May' 1993	
	Rs. crores	US$ million	Rs. crores	US $ million
Exports	11898	3793	10832	3459
	*(9.8%)	(9.7%)	(41.4%)	(29.7%)
Imports	12181	3883	10853	3465
	(12.2%)	(12.1%)	(4.6%)	(—4.1%)

*Figures in brackets indicate percentage increases/decreases over the corresponding periods of previous years.

The apprehension that the liberalisation process would drastically increase imports, does not appear to be justified. Due to seasonality, there is general downfall in exports in the months of first quarter of the year. Export growth during April|May, 1994 of 9.7 per cent, however, compared to the high base of 1993-94, is still higher than the long-term trend rate of export growth of 7 to 8 percent. Export promotion is an ongoing exercise; it is a collaborative effort between the Centre and the State and steps are taken to provide an export policy environment in consultation with trade and industry.

STC Negotiating for supply of sugar

825. DR. BAPU KALDATE:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state: